आईपीओ के चयन में सतर्क निवेश बैंकर

कुछ कंपनियों के हितों के टकराव वाले उपबंध को देखते हुए निवेश बैंकरों ने उठाया ऐसा कदम

समी मोडक
मुंबई, 26 जुलाई

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम का सीजन पूरी तरह से गुलजार है, ऐसे में निवेश बैंकर सौदे चुनने में पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। यह कदम शेयर बिक्री करने जा रही कुछ कंपनियों के हितों के टकराव वाले उपबंध को टालने के लिए उठाया गया है। इसके तहत निवेश बैंकरों को प्रतिस्पर्धी कंपनियों के आईपीओ का कामकाज लेने से मना किया गया है ताकि संवेदनशील सूचनाओं व रणनीति को साझा न किया जा सके।

यह डिजिटल पेमेंट कंपनी पेटीएम व मोबिक्विक के आईपीओ में देखा जा रहा है। दोनों फर्मों ने अलग-अलग बैंकरों को चुना है। दोनों इश्यू के लिए जहां आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को शामिल किया गया है, वहीं आईसीआईसीआई बैंक की इकाई को पेटीएम आईपीओ के लिए सिर्फ संयोजन का काम सौंपा गया है क्योंकि वह मोबिक्विक की मुख्य बैंकर है। बीएनपी पारिबा, क्रेडिट सुइस, आईआईएफएल सिक्योरिटीज और जेफरीज अन्य इन्वेस्टमेंट बैंक हैं, जिसे मोबिक्विक ने अपने आईपीओ का कामकाज संभालने के लिए नियुक्त किया है। इस बीच, मॉर्गन स्टैनली, गोल्डमैन सैक्स, ऐक्सिस कैपिटल, जेपी मॉर्गन, सिटीबैंक और एचडीएफसी बैंक पेटीएम के 16,000 करोड़ रुपये के आईपीओ का कामकाज संभाल रहे हैं।

इस मसले पर पेटीएम और मोबिक्विक ने टिप्पणी करने से मना कर दिया। मोटे तौर पर इन्वेस्टमेंट बैंकिंग शुल्क जुटाई जाने वाली रकम का एक से तीन फीसदी तक होता है। इसके परिणामस्वरूप निवेश बैंकर बड़े आईपीओ पर नजर डालते हैं, चाहे उन्हें कुछ ही सौदे मिलें। यह जानकारी उद्योग की कंपनियों ने दी।

डीएसके लीगल के सहायक साझेदार गौरव मिस्त्री ने कहा, पूंजी बाजार में उफान है, ऐसे में निवेश बैंकरों के लिए मांग पूरी करना मुश्किल होता जा रहा है और इसके साथ ही उम्मीदों का प्रबंधन भी। वैसी स्थिति में जब प्रतिस्पर्धी कंपनियां एक ही समय में सूचीबद्धता पर विचार कर रही हो तो यह और भी मुश्किल हो जाता है, खास तौर से हितों के टकराव को लेकर।

हितों के टकराव का मसला हालांकि एक दशक से ज्यादा पुराना है, लेकिन बाजार में उछाल के दौरान यह अहम हो गया। अभी 50 कंपनियां आईपीओ पेश करने की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं। उनमें से कई एक ही क्षेत्र मसलन दवा, स्पेशियलिटी केमिकल, वित्तीय सेवाएं और रियल एस्टेट में परिचालन कर रही हैं।

एलऐंडटी पार्टनर्स के पार्टनर नवीन एस. ने कहा, यहां अनिवार्य रूप से हितों के टकराव का मामला उठता है। उदाहरण के लिए सलाहकारों की पहुंच गोपनीय व संवेदनशील सूचनाओं तक होती है और क्लाइंट के लिए यह मुश्किल हो जाता है अगर वह सलाहकार प्रतिस्पर्धियों के लिए भी काम करे। विभिन्न हितों के साथ अपने क्लाइंटों की स्वतंत्र सलाह देने के मामलों में सलाहकारों को समझौता करना होता है। क्लाइंटों को भी उम्मीद हो सकती है कि उनके सलाहकार प्रतिस्पर्धियों के लिए काम नहीं करेंगे और इसके लिए थोड़ी मोहलत पर जोर दे सकते हैं।

साल 2016 में सूटी की हिस्सेदारी के प्रबंधन के लिए निवेश बैंकरों के चयन के समय सरकार ने एक उपबंध रखा था, जिससे प्रतिस्पर्धी निजी क्षेत्र की कंपनी को तीन साल के लिए कामकाज हाथ में लेने से रोक दिया। हालांकि निवेश बैंकर समुदाय की तरफ से चिंता जताने के बाद केंद्र ने इस उपबंध में बदलाव किया था और कहा था कि शेयर बिक्री के दौरान प्रतिस्पर्धी कंपनी की शेयर बिक्री का काम वह हाथ में न ले।

उद्योग के प्रतिभागियों ने कहा कि कुछ कंपनियां एक ही क्षेत्र में शेयर बिक्री का कामकाज सफलता से संभालने वाले बैंकों को तरजीह देती हैं। कुछ मामले में वे हितों के टकराव वाले उपबंधों में ढील देती हैं, अगर उस बैंक के साथ उसका मजबूत संबंध हो। हालांकि ज्यादातर उसी बैंकर के साथ काम नहीं करना चाहते, अगर आईपीओ का समय एक ही हो।

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम व अन्य शेयर बिक्री का कामकाज संभालने पर निवेश बैंकरों का शुल्क साल की पहली छमाही में 25 फीसदी बढ़कर 12.6 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया, जो साल 2011 के बाद सबसे ज्यादा है। यह आंकड़ा रेफिनिटिव ने संकलित किया है।

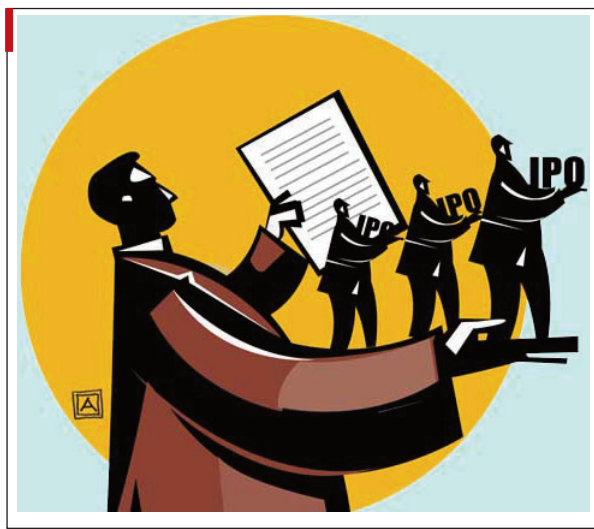

निवेश बैंकर के कदम

- निवेश बैंकरों को प्रतिस्पर्धी कंपनियों के आईपीओ का कामकाज लेने से मना किया गया है ताकि संवेदनशील सूचनाओं व रणनीति को साझा न किया जा सके
- यह डिजिटल पेमेंट कंपनी पेटीएम व मोबिक्विक के आईपीओ में देखा जा रहा है
- दोनों फर्मों ने अलग-अलग बैंकरों को चुना है

बुधवार को खुलेगा रोलेक्स रिंग्स का आईपीओ

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 26 जुलाई

रोलेक्स रिंग्स ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम का कीमत दायरा 880 रुपये से 900 रुपये प्रति शेयर तय किया है। यह आईपीओ बुधवार को खुलेगा और शुक्रवार को बंद होगा। निवेशक 16 शेयर के लॉट या इसके गुणक में आवेदन कर सकते हैं।

इस पेशकश में 56 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे और 675 करोड़ रुपये के शेयर ऑफर फॉर सेल के तहत होंगे। कीमत दायरे के ऊपरी स्तर पर रोलेक्स रिंग्स का बाजार पूंजीकरण 2,451 करोड़ रुपये का होगा। कंपनी में प्रवर्तक की हिस्सेदारी आईपीओ के बाद 59 फीसदी से घटकर 57.54 फीसदी रह जाएगी।

मार्च 2021 में समाप्त वित्त वर्ष में रोलेक्स रिंग्स का शुद्ध लाभ 87 करोड़ रुपये और राजस्व 616 करोड़ रुपये रहा था। रोलेक्स रिंग्स दोपहिया, यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन, औद्योगिक मशीन, विंड टरबाइन और रेलवे के लिए हॉट रोल्ड फोर्ज्ड ऐंड मशीन्ड बेयरिंग रिंग्स बनाती है।

कंपनी अपने उत्पादों की आपूर्ति कुछ अग्रणी बियरिंग विनिर्माता कंपनियों, टियर-1 सप्लायर से लेकर वैश्विक वाहन कंपनियों व अन्य ओईएम विनिर्माताओं को भी करती है। कंपनी ने अपना कामकाज 1988 में राजकोट में प्लांट की स्थापना के साथ शुरू किया था। डीआरएचपी के मुताबिक, अभी राजकोट में उसके तीन संयंत्र हैं। रोलेक्स रिंग्स के उत्पादों के पोर्टफोलियो में बेयरिंग रिंग्स, गियर बॉक्स व वाहन कलपुर्जों की विस्तृत रेंज है।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

ई-वोटिंग के लिए सूचना

दिनांक 17 जुलाई 2021 को इस समाचार पत्र में प्रकाशित 14 वी वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) की पूर्व सूचना के संदर्भ में एतद्द्वारा पुन: यह सूचना दी जा रही है कि सेबी (सूचीकरण बाध्यताएं एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन, 2015 के विनियम 44 के साथ पठित कम्पनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20 के अनुपालन में मंगलवार, दिनांक 10 अगस्त, 2021 को प्रात: 11:00 बजे चंदरमुखी, नरीमन पॉइंट, मुम्बई 400021 पर स्थित बैंक के प्रधान कार्यालय, (बैठक का प्रस्तावित स्थल) में वीडिओ कॉन्फरेंस (वीसी) अथवा अन्य दृश्य श्रव्य माध्यम (ओएवीएम) से आयोजित होने वाली वार्षिक सामान्य बैठक में निम्न कारोबार हेतु सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शेयरधारकों को बैंक वैकल्पिक माध्यम के तौर पर रिमोट ई-वोटिंग सुविधा उपलब्ध करवा रहा है.

1) दिनांक 31 मार्च 2021 को बैंक का लेखापरीक्षित स्टैन्ड अलोन एवं समेकित तुलनपत्र, दिनांक 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक का स्टैन्ड अलोन एवं समेकित लाभ-हानि खाता, खातों की इस अवधि में बैंक के कार्यों एवं गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट एरां लेखों तथा तुलनपत्र पर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट पर चर्चा करना, अनुमोदन करना तथा इन्हें स्वीकार करना.

2) शेयर प्रीमियम खाते से 31.03.2021 के अनुसार संचित हानि को विनियोजित करना.

निदेशक मण्डल के आदेश से
कृते सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

हस्ताक्षर /-
(आनंद कुमार दास)
उप महाप्रबंधक
कंपनी सचिव

स्थान: मुम्बई
दिनांक: 26 जुलाई, 2021

नोट

1. ई-मेल द्वारा वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) की सूचना सहित वार्षिक रिपोर्ट प्रेषण पूर्ण करने की तारीख : 16 जुलाई, 2021.
2. रिमोट ई-वोटिंग प्रारम्भ होने की तारीख एवं समय : शनिवार, 7 अगस्त , 2021 को प्रात: 10:00 बजे (भारतीय मानक समय)
3. रिमोट ई-वोटिंग समाप्त होने की तारीख एवं समय : सोमवार, 9 अगस्त , 2021 को सायं 5:00 बजे (भारतीय मानक समय)
4. कट – ऑफ तिथि : मंगलवार, 3 अगस्त , 2021.
5. कोई भी व्यक्ति जो बैठक की सूचना के प्रेषण के पश्चात कट ऑफ तारीख अर्थात मंगलवार, 3 अगस्त, 2021 को बैंक का सदस्य बनता है एवं शेयर रखता हैं वे ई-मेल के माध्यम से शेयरधारकों को भेजे गए तथा बैंक की वेबसाइट www.centralbankofindia.co.in के "इन्वेस्टर रिलेशन्स" लिंक और ई-वोटिंग प्लेटफार्म प्रदाता – लिंक इन टाइम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड की वेबसाइट https://instavote.linkintime.co.in पर अपलोड किए गए एजीएम नोटिस का संदर्भ देते हुए अपने यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त कर सकता है. वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) की सूचना में रिमोट ई वोटिंग हेतु विस्तृत प्रक्रिया दी गई है.
6. रिमोट ई-वोटिंग दिनांक 9 अगस्त, 2021 को सांय 5.00 बजे (भारतीय मानक समय) के बाद अनुमत नहीं होगी.
7. वे शेयरधारक सदस्य जिन्होंने संकल्प पर अपना वोट रिमोर्ट ई-वोटिंग के माध्यम से नहीं दिया है एवं ऐसा करने से अन्यथा प्रतिबंधित नहीं है वे इन्स्टामीट सुविधा द्वारा वीडिओ कॉन्फरेंस (वीसी) अथवा अन्य दृश्य श्रव्य माध्यम (ओएवीएम) द्वारा आयोजित बैठक में उपस्थित होने पर बैठक के दौरान अपना मतदान ई-वोटिंग सुविधा के माध्यम से करने के पात्र होंगे.
8. रिमोट ई-वोटिंग से अपना वोट दे चुके सदस्य भी इन्स्टामीट द्वारा वीडिओ कॉन्फरेंस (वीसी) अथवा अन्य दृश्य श्रव्य माध्यम (ओएवीएम) के माध्यम से वार्षिक सामान्य बैठक में सहभागिता कर सकते हैं परंतु उन्हें बैठक के दौरान पुन: वोट देने की अनुमति नहीं होगी.
9. केवल वह व्यक्ति, जिसका नाम सदस्यों के रजिस्टर में अथवा डिपॉजिटरी द्वारा रखे गये लाभार्थी धारक के रजिस्टर में, कट-ऑफ तिथि अर्थात मंगलवार, 3 अगस्त, 2021 को रिकार्ड किया गया है, वार्षिक सामान्य बैठक में रिमोट ई-वोटिंग एवं ई-वोटिंग की सुविधा के लिए पात्र होगा.
10. यदि शेयरधारकों / सदस्यों को ई-वोटिंग के संबंध में कुछ प्रश्न या समस्या है तो आप https://instavote.linkintime.co.in पर हेल्प सेक्शन के अंतर्गत उपलब्ध बार – बार पूछे जाने वाले प्रश्न ("एफएक्यूज") और ई वोटिंग मैनुअल का संदर्भ ले सकते हैं अथवा instameet@linkintime.co.in पर ई-मेल करें अथवा टेलीफोन 022-4918 6000 पर कॉल करें.

बैजूज ने ग्रेट लर्निंग को खरीदा

कंपनी ने पिछले 6 महीनों के दौरान अधिग्रहण पर 2 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है

पीरजादा अबरार
बेंगलूरु, 26 जुलाई

एडटेक कंपनी बैजूज ने सिंगापुर में मुख्यालय वाली ग्रेट लर्निंग को 60 करोड़ डॉलर में खरीदा है। ग्रेट लर्निंग पेशेवर एवं उच्च शिक्षा खंड में प्रमुख वैश्विक कंपनी है। इस सौदे के मूल्यांकन में नकदी, शेयर और आय भी शामिल है।

भारत के बेहद मूल्यवान स्टार्टअप ने ग्रेट लर्निंग की वृद्धि को मजबूत बनाने के लिए इस सेगमेंट में 40 करोड़ डॉलर का निवेश निर्धारित किया है। इस अधिग्रहण के साथ वैश्विक रूप से पेशेवर कौशल और लर्निंग स्पेस में बैजूज की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई है। कंपनी ने के-12 और टेस्ट प्रेप सेगमेंट के साथ साथ अपनी पेशकशों का विस्तार करने के लिए 1 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

बैजूज के संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी बैजू रवींद्रन ने कहा, 'उपयुक्त आगामी कौशल के साथ छात्रों को सक्षम बनाना हमारे विजन का मुख्य हिस्सा है। ग्रेट लर्निंग वैश्विक रूप से प्रख्यात और प्रतिष्ठित पेशेवर शिक्षा कंपनी है और इस भागीदारी से इस नए सेगमेंट में हमारी पहुंच का विस्तार हुआ है। हम मौजूदा प्रतिस्पर्धी वैश्विक अर्थव्यवस्था में पेशेवरों को उच्च गुणवत्ता और उद्योग-केंद्रित पाठयक्रम मुहैया कराने के अपने मिशन के प्रति वचनबद्ध हैं। अपनी संयुक्त ताकत के साथ हम इस सेगमेंट में वैश्विक बाजार दिग्गज बनना चाहते हैं।'

- बैजूज ने सिंगापुर में मुख्यालय वाली ग्रेट लर्निंग को 60 करोड़ डॉलर में खरीदा
- ग्रेट लर्निंग पेशेवर एवं उच्च शिक्षा खंड में प्रमुख वैश्विक कंपनी है
- ग्रेट लर्निंग की वृद्धि को मजबूत बनाने के लिए इस सेगमेंट में 40 करोड़ डॉलर का निवेश निर्धारित किया गया है
- अधिग्रहण से वैश्विक रूप से पेशेवर कौशल और लर्निंग में बैजूज की प्रतिबद्धता की पुष्टि

यह भागीदारी ग्रेट लर्निंग की पेशेवर पाठयक्रमों के साथ बैजूज की प्रौद्योगिकी और कंटेंट दक्षता को जोड़ेगी। यह भागीदारी ऐसे समय में की गई है जब कोविड-19 महामारी और तेजी से बदल रहे उद्योग परिदृश्य ने भारत और वैश्विक रूप से पेशेवरों को कौशल युक्त बनने के लिए प्रोत्साहित किया है।

बैजूज समूह के संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी मोहन लखमराजू और सह-संस्थापकों हरि नायर और अर्जुन नायर के मार्गदर्शन में ग्रेट लर्निंग एक स्वतंत्र इकाई के तौर पर परिचालन बरकरार रखेगी। इस महत्वपूर्ण निवेश के साथ, ग्रेट लर्निंग भारत और सभी वैश्विक बाजारों में अपने विलय-अधिग्रहण और आंतरिक विकास अवसरों को बढ़ाएगी और छात्रों को सब जगह उच्च गुणवत्ता की पेशकशों का विस्तार करेगी।

वर्ष 2013 में स्थापित हुई ग्रेट लर्निंग के संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी मोहन लखमराजू ने कहा, 'ग्रेट लर्निंग में हमने उच्च गुणवत्ता और परिवर्तनकारी शिक्षा मुहैया कराने के अपने मिशन की दिशा में लगातार काम किया है। बैजूज के साथ मिलकर, हम अपने इस लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने में सक्षम होंगे और भारत तथा दुनियाभर में कौशल की बढ़ रही जरूरतों को पूरा करेंगे।' ग्रेट लर्निंग ने दुनिया में कई श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के साथ भागीदारियां की हैं।

रुकी परियोजनाएं चालू करेगी सुरक्षा एआरसी

देव चटर्जी
मुंबई, 26 जुलाई

जेपी इन्फ्राटेक की सबसे बड़ी बोलीदाता सुरक्षा ऐसेट रीकंस्ट्रक्शन कंपनी (एआरसी) ने रुकी हुई परियोजना को जल्द पुन: शुरू करने का वादा किया है, क्योंकि उसे सभी सांविधिक मंजूरिया मिल गई हैं।

सुरक्षा एआरसी के मुख्य कार्याधिकारी आलोक देव ने कहा, 'हमारी योजना रुकी हुई रियल एस्टेट परियोजनाओं में निवेश करने की है और उन्हें पूरा करने के लिए वित्तीय तथा परिचालन दक्षता के लिए इन परियोजनाओं की सख्ती के साथ निगरानी की जाएगी।'

सुरक्षा एआरसी को सौदे हासिल करने की दौड़ में सरकार के स्वामित्व वाली एनबीसीसी इंडिया के साथ प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। कंपनी पर्याप्त कार्यशील पूंजी लगाएगी और रुके हुए निर्माण कार्य को पुन: चालू करने के लिए नई तकनीकी टीम की मदद लेगी। उसने घर खरीदारों से बकाया वसूलने और गैर बिकी परिसंपत्तियों की बिक्री की भी योजना बनाई है।

सुरक्षा एआरसी भी जेपी इन्फ्राटेक को अगस्त 2017 में एनसीएलटी के पास कर्ज समाधान के लिए भेजे जाने के बाद उसे खरीदने की होड़ में शामिल हुई थी। कंपनी 22,600 करोड़ रुपये के कर्ज चुकाने में विफल रही थी। दिल्ली और आगरा को जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे के अलावा, कंपनी का इस परियोजना से संबंधित भूमि बैंक पर भी मालिकाना हक है। हालांकि सुरक्षा ने लंबे विलंब के बाद यह दौड़ जीती है।

देव ने कहा, हम पिछले पांच साल से जेपी परियोजना का अध्ययन कर रहे हैं। हम इस परियोजना में इच्छुक थे, क्योंकि यह उत्तर भारत में एक स्थान पर देश की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है और इसमें पांच करोड़ वर्ग फुट से ज्यादा की विकास संभावना है।

आरआईएल के अनुमानों पर विश्लेषक उत्साहित

राम प्रसाद साहू
मुंबई, 26 जुलाई

वित्त वर्ष 2022 की अप्रैल-जून तिमाही में शानदार परिचालन प्रदर्शन के बाद ब्रोकरों ने बाजार पूंजीकरण के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के आय अनुमानों में 1-4 प्रतिशत तक का संशोधन किया है।

आय संशोधन को रिलायंस जियो में मार्जिन प्रदर्शन, रिफाइनिंग सेगमेंट समेत तेल-रसायन (ओ2सी) व्यवसाय सुधरने से मदद मिली है। लेकिन बड़े सुधार के लिए बाजार को अन्य कारकों का भी गंभीरता से इंतजार है। हालांकि सबसे बड़ा कारक दर वृद्धि और अरामको सौदा बना रहेगा, क्योंकि जियो के मुनाफे पर इसका बड़ा असर देखा जा सकता है, लेकिन इसके अलावा कर्ज स्तरों में बड़ी गिरावट और रिटेल परिचालन में सुधार अन्य सुधार संबंधित वाहक हैं।

जहां एमके रिसर्च ने अपने प्रति शेयर आय (ईपीएस) अनुमान वित्त वर्ष 2022-24 के दौरान 3-4 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं, वहीं ऊंची ब्रेंट क्रूड तेल कीमतों के साथ साथ कमजोर रुपया और जून तिमाही में कंपनी की अच्छी दर को देखते हुए उसने अपने मल्टीपल लक्ष्य और 2,340 रुपये के कीमत लक्ष्य को काफी हद तक अपरिवर्तित बनाए रखा है। जेफरीज इंडिया के भास्कर चक्रवर्ती के नेतृत्व में विश्लेषकों ने जियो के लिए ऊंचे ग्राहक अनुमानों और ऊंची शुद्ध ब्याज आय को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अपने ईपीएस अनुमान 1 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं। वित्तीय परिणाम के बाद, जहां कुछ ब्रोकर तटस्थ हैं, वहीं मॉर्गन स्टैनली रिसर्च आशान्वित है। मॉर्गन स्टैनली का मानना है कि बाजार के अनुमानों में सुधार आया है। आय की गुणवत्ता अच्छी रही है और गैस उत्पादन में तेज सुधार आया है तथा दूरसंचार व्यवसाय में वृद्धि आश्चर्यजनक थी। मल्टीपल और अनुमानों, दोनों में बदलाव प्रत्याशित है। मल्टीपल में बदलाव लाने वाला मुख्य सेगमेंट दूरसंचार है। जहां जियो का प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) तिमाही आधार पर 138.4 रुपये पर सपाट रहा, वहीं परिचालन मुनाफे में तेजी के लिए मुख्य कारक 1.44 करोड़ ग्राहकों की वृद्धि को माना जा सकता है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के संजेश जैन का कहना है, 'तिमाही के दौरान ग्राहक वृद्धि 1.44 करोड़ के साथ मजबूत थी।'

Statement of (Standalone & Consolidated) Unaudited Financial Results For The Quarter Ended June 30, 2021

(Rs. in Lakhs)

S. No.	Particulars	Standalone		Consolidated	
		For the Quarter Ended on 30-06-2021	For the Quarter Ended on 30-06-2020	For the Quarter Ended on 30-06-2021	For the Quarter Ended on 30-06-2020
1	Total income from Operations	8,672	4,273	8,672	4,273
2	Net Profit/(loss) for the period (before Tax and Exceptional items)	(952)	(1,827)	(961)	(1,865)
3	Net Profit/(loss) for the period (before Tax after Exceptional items)	(952)	(1,556)	(961)	(1,594)
4	Net Profit/(loss) for the period (after Tax after Exceptional items)	(503)	(1,104)	(512)	(1,142)
5	Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit/(loss) for the Period after Tax and Other Comprehensive Income after Tax)	27	17	27	17
6	Paid up Equity Share Capital (Face value of Rs.10/- each)	1,437	1,430	1,437	1,430
7	Earnings Per Share (of ₹ 10/- each) (For continuing and discontinued operations) (Not Annualised)				
	1. Basic (amount in Rs.)	(3.50)	(7.73)	(3.57)	(7.99)
	2. Diluted (amount in Rs.)	(3.50)	(7.73)	(3.57)	(7.99)

Note:

1. The above results were reviewed and recommended by the Audit Committee and then approved by the Board of Directors at their respective meetings held on 26th July, 2021.The financial results for the quarter ended June 30,2021 have been limited reviewed by the Statutory Auditors of the Company.
2. The above is an extract of the detailed format of quaterly/annual financial results filed with the stock exchanges under regulation 33 of the SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulation,2015. The full format of the quarterly financial results is available on the stock exchange websites.(URL-www.nseindia.com and www.bseindia.com) and also on above mentioned Company's website at https://www.orientbell.com.
3. There is no change(s) in accounting policies which impact on net profit/ loss, total comprehensive income or any other relevant financial item(s).

For and on behalf of the Board of Directors of Orient Bell Limited
Madhur Daga
Managing Director

Place : New Delhi
Date : 26th July 2021

orientbell tiles
Stay Safe. Stay Inside

Orient Bell Limited
CIN: L14101UP1977PLC021546
Registered Office : 8, Industrial Area, Sikandrabad - 203205, Dist. Bulandshahr, U. P.
Corporate Office : Iris House, 16 Business Center, Nangal Raya, New Delhi-110 046
+91-11-47119100 | investor@orientbell.com | www.orientbell.com

#WearAMask

APPOINTMENTS

बैंक बोर्ड ब्यूरो
भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय
निम्नलिखित पद के लिए आवेदन आमंत्रित

पंजाब नैशनल बैंक
में
प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी

संस्था: 1894 में स्थापित, पंजाब नैशनल बैंक आज देश का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है। अप्रैल 2020 में ओरिएंटल बैंक और यूनाइटेड बैंक के सममेलन के बाद,पीएनबी के पास अब 10,769 शाखाओं का एक नेटवर्क, 103,000 कर्मचारी और वैश्विक कारोबार ₹18,45,739 करोड़ रुपये का है। एमडी और सीईओ के रूप में, आप सभी ग्राहकों, निवेशकों और कर्मचारियों के लिए मूल्य बनाने के लिए जिम्मेदार होंगे,जो इसे सभी हितधारकों के लिए पहली पसंद बनाता है। आपसे पीएनबी को ग्राहकों के लिए सर्वाधिक पसंदीदा बैंक, कर्मचारियो के काम करने के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थान और उद्योग के लिए बेंचमार्क ऑफ एक्सीलेंस के रुप में स्थान देने की उम्मीद की जाएगी। एमडी और सीईओ कार्यभार ग्रहण करने की तिथी से तीन वर्ष की अवधि के लिए धारण करेंगे, जो अधिकतम 60 वर्ष की आयु के अधीन होगा।

पात्रता:
क. उम्मीदवार की आयु 19 सितंबर, 2021 को 45 से 57 वर्ष के बीच होनी चाहिए; और
ख. उम्मीदवार को, 19 सितंबर, 2021 तक, मुख्यधारा की बैंकिंग में न्यूनतम 15 वर्ष का अनुभव होना चाहिए, जिसमें से कम से कम एक वर्ष का अनुभव बोर्ड स्तर पर होना चाहिए।

आवेदन कैसे करें: इच्छुक उम्मीदवार https://www.banksboardbureau.org.in/ पर "रिक्तियों" टैब के तहत उपलब्ध लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं या सीधे https://www.research.net/r/MDCEOPNB पर क्लिक करके आवेदन कर सकते हैं।

जिन उम्मीदवारों ने जून 2021 में पहले जारी किये गए हमारे विज्ञापन के माध्यम से पद के लिए आवेदन किया था, उन्हें फिर से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उनका आवेदन पहले से ही ब्यूरो के पास है।

आवेदन की अंतिम तिथि: आईएसटी शाम 5:00 बजे अपराह्न 10 - अगस्त-2021 तक

शुद्धिपत्र सहित अतिरिक्त विवरण ब्यूरो की वेबसाइट पर प्रकाशित किये जाएंगे।